

वार्षिक पत्रिका  
अंक : 20 (2012-2013)

# प्रवाहिनी



राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान

जलविज्ञान भवन

रूड़की - 247 667 (उत्तराखण्ड)



वार्षिक पत्रिका  
अंक : 20 (2012-2013)

# प्रवाहिनी



राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान  
जलविज्ञान भवन  
रूड़की - 247 667 (उत्तराखंड)

## संपादक मंडल

डॉ सुधीर कुमार, वैज्ञानिक—एफ एवं प्रभारी अधिकारी, प्रलेखन प्रकोष्ठ

डॉ सुहास खोब्रागडे, वैज्ञानिक—डी

डॉ रमा मेहता, वैज्ञानिक—डी एवं राजभाषा प्रभारी

श्री प्रदीप कुमार उनियाल, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक

श्री पवन कुमार, आशुलिपिक

## टंकण सहयोग:

श्री योगेश चन्द्र जोशी

नोट : इस पत्रिका में संकलित विचार लेखकों के अपने हैं, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान एवं संपादक मण्डल का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

## अनुक्रमणिका

क्रमांक	विषय-वस्तु	पृष्ठ संख्या
1.	देश के सर्वांगीण विकास में हिंदी साधक है नरेश कुमार	1-2
2.	राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 प्रदीप कुमार उनियाल	3-9
3.	मेरी चाहत "हिंदी" इफ्तखारूल हसन	10
4.	गांधी जी की दिवानी बाल योद्धा मलाला यूसुफजई गोपाल नारसन	11-12
5.	राष्ट्र निर्माण में युवाशक्ति का योगदान डॉ. अनिल शर्मा	13-15
6.	शुभ भावनाओं का सुप्रभाव कु. गर्विता	16-18
7.	वायुयान प्रणाली-एक नजर में कु. झलक गोयल	19-22
8.	एक पेड़ की व्यथा - मैं हूँ पेड़ डॉ. रमा मेहता	23
9.	आकस्मिक बाढ़ का आंकलन एवं पूर्वानुमान तिलक राज सपरा एवं डॉ. राकेश कुमार	24-30
10.	सुनामी प्रभाष कुमार मिश्र	31
11.	जल सहयोग : आवश्यकता, लाभ और चुनौतियां डॉ. अनिल कुमार लोहनी	32-39
12.	भूकम्प से कभी भी डोल सकता है उत्तराखण्ड गोपाल नारसन	40-41
13.	पानी है तभी जिंदगानी है डॉ. संजय कुमार शर्मा	42-43
14.	हिमनद झील के टूटने से उत्पन्न बाढ़ : एक अवलोकन डॉ. संजय कुमार जैन एवं डॉ. अनिल कुमार लोहनी	44-47
15.	कोई-कोई श्रीमति कृष्णा	48
16.	पर्यावरण कु. मानसी ममगाई	49
17.	अगर आप सोचते हैं आकाश कुमार	50

18.	वर्षा जल संग्रहण : समय की आवश्यकता जतिन मल्होत्रा, डॉ. मनोहर अरोड़ा एवं डॉ. राकेश कुमार	51-58
19.	शिक्षा आकाश कुमार	59
20.	पर्वतीय जल संसाधनों का महत्व नरेश कुमार एवं डॉ. मनोहर अरोड़ा	60-64
21.	हे बचपन मौहर सिंह	65
22.	नदियों में पर्यावरणीय जल प्रवाह की मात्रा का निर्धारण पी.के. अग्रवाल एवं डॉ. शरद कुमार जैन	66-71
23.	उत्तराखंड हिमालय का महाकुंभ : नंदा राजजात डॉ. दीपक डोभाल	72-75
24.	अनमोल वचन सतीश कुमार कश्यप	76
25.	मृदा परीक्षण एवं उर्वरकता प्रबंधन ऋतुराज शुक्ला एवं कु. प्रीती तिवारी	77-79
26.	प्रकृति का क्रूर परिहास : जल-प्रलय (बाढ़) कु. उर्वशी गुप्ता	80-81
27.	एकाग्रता - सफलता की कुंजी कु. अनुराधा	82-83
28.	क्यों राष्ट्रभाषा नहीं बन पा रही है "हिंदी" योगेश चन्द्र जोशी	84-85
29.	हिन्दी मास-2012 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत अधिकारियों/कर्मचारियों की नामावली	86-87
30.	वर्ष 2012-13 के दौरान "सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिन्दी में करने" संबंधी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पुरस्कृत रा.ज.सं. कर्मचारियों की सूची	88